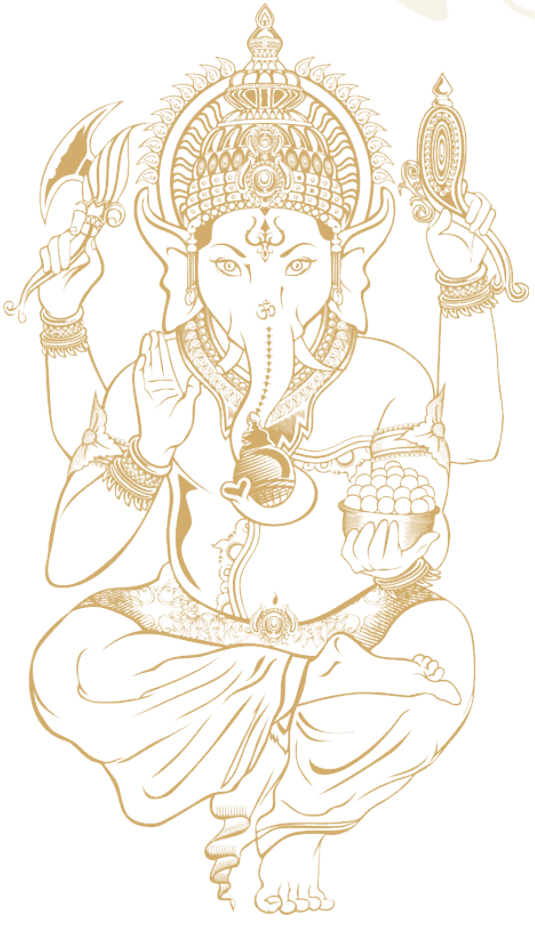

Akshay saini

28 Oct 1998

03:30 AM

Muzaffarnagar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121482402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27-28/10/1998**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**03:30:00 घंटे**
इष्ट	52:33:31 घटी
स्थान	**Muzaffarnagar**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:28:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:10:48 घंटे
वेलान्तर	00:16:07 घंटे
साम्पातिक काल	05:35:02 घंटे
सूर्योदय	06:28:35 घंटे
सूर्यास्त	17:37:25 घंटे
दिनमान	11:08:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	10:26:33 तुला
लग्न के अंश	00:41:45 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	धृति
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जा-जामवंत
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	00:41:45	315:49:14	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	---
सूर्य			तुला	10:26:33	00:59:53	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	नीच राशि
चंद्र			मक	03:38:06	12:45:57	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	सम राशि
मंगल			सिंह	18:29:00	00:35:43	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
बुध			तुला	29:41:48	01:23:48	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
गुरु	व		कुंभ	24:47:33	00:03:21	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
शुक्र		अ	तुला	09:51:53	01:15:12	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	मूलत्रिकोण
शनि	व		मेष	05:59:31	00:04:46	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	नीच राशि
राहु	व		सिंह	05:06:45	00:00:37	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	05:06:45	00:00:37	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष			मक	15:00:26	00:00:28	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप			मक	05:37:16	00:00:33	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	12:49:36	00:02:04	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	---
दशम भाव			मिथु	00:25:44	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:15

लग्न-चलित

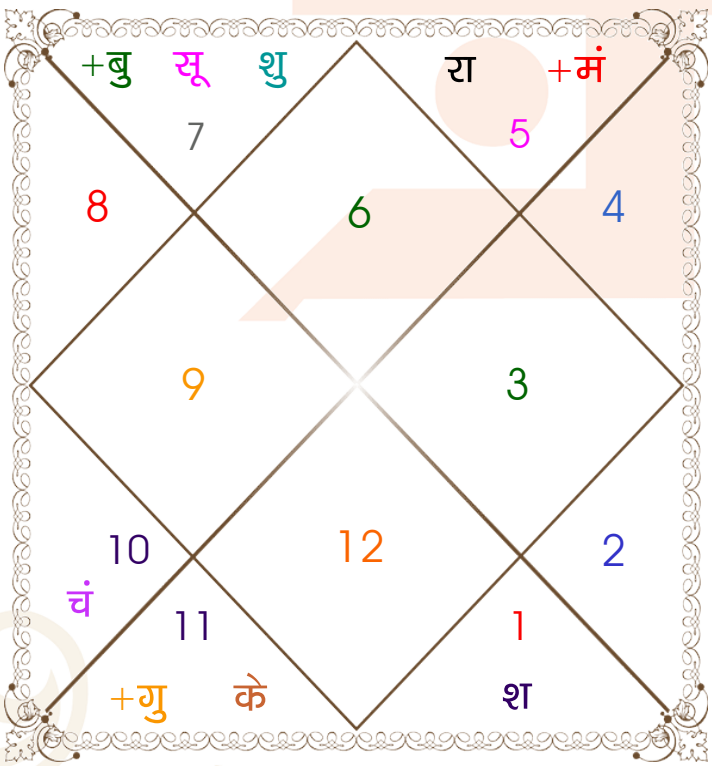

चन्द्र कुंडली

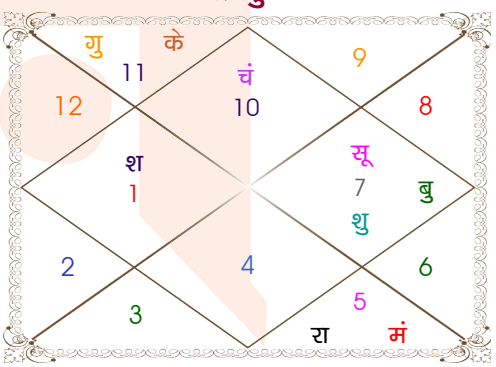

नवमांश कुंडली

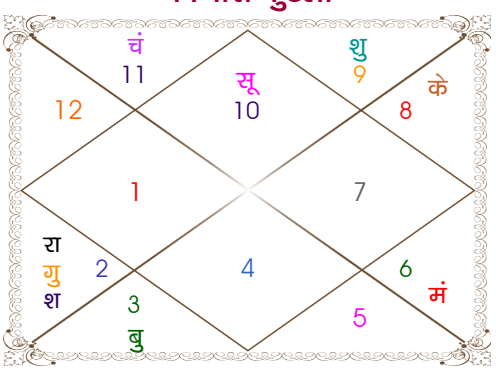

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 2 वर्ष 10 मास 11 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
28/10/1998		08/09/2001		08/09/2011		08/09/2018		08/09/2036	
08/09/2001		08/09/2011		08/09/2018		08/09/2036		08/09/2052	
	00/00/0000	चंद्र	09/07/2002	मंगल	04/02/2012	राहु	21/05/2021	गुरु	27/10/2038
	00/00/0000	मंगल	07/02/2003	राहु	22/02/2013	गुरु	15/10/2023	शनि	09/05/2041
	00/00/0000	राहु	08/08/2004	गुरु	29/01/2014	शनि	21/08/2026	बुध	15/08/2043
	00/00/0000	गुरु	08/12/2005	शनि	10/03/2015	बुध	09/03/2029	केतु	21/07/2044
	28/10/1998	शनि	09/07/2007	बुध	06/03/2016	केतु	28/03/2030	शुक्र	22/03/2047
शनि	27/06/1999	बुध	08/12/2008	केतु	02/08/2016	शुक्र	27/03/2033	सूर्य	08/01/2048
बुध	03/05/2000	केतु	09/07/2009	शुक्र	02/10/2017	सूर्य	19/02/2034	चंद्र	09/05/2049
केतु	08/09/2000	शुक्र	10/03/2011	सूर्य	07/02/2018	चंद्र	21/08/2035	मंगल	15/04/2050
शुक्र	08/09/2001	सूर्य	08/09/2011	चंद्र	08/09/2018	मंगल	08/09/2036	राहु	08/09/2052

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
08/09/2052		08/09/2071		08/09/2088		08/09/2095		09/09/2115	
08/09/2071		08/09/2088		08/09/2095		09/09/2115		00/00/0000	
शनि	11/09/2055	बुध	04/02/2074	केतु	04/02/2089	शुक्र	08/01/2099	सूर्य	28/12/2115
बुध	21/05/2058	केतु	01/02/2075	शुक्र	06/04/2090	सूर्य	08/01/2100	चंद्र	28/06/2116
केतु	30/06/2059	शुक्र	02/12/2077	सूर्य	12/08/2090	चंद्र	09/09/2101	मंगल	02/11/2116
शुक्र	30/08/2062	सूर्य	09/10/2078	चंद्र	13/03/2091	मंगल	09/11/2102	राहु	27/09/2117
सूर्य	12/08/2063	चंद्र	09/03/2080	मंगल	09/08/2091	राहु	09/11/2105	गुरु	16/07/2118
चंद्र	12/03/2065	मंगल	06/03/2081	राहु	26/08/2092	गुरु	10/07/2108	शनि	29/10/2118
मंगल	21/04/2066	राहु	24/09/2083	गुरु	02/08/2093	शनि	09/09/2111		00/00/0000
राहु	25/02/2069	गुरु	29/12/2085	शनि	11/09/2094	बुध	10/07/2114		00/00/0000
गुरु	08/09/2071	शनि	08/09/2088	बुध	08/09/2095	केतु	09/09/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 2 वर्ष 10 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करते कि स्वास्थ्य ही सर्वोतम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहते हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करते है कि आपकी छोटी से महत्वकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्त्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरूत्साहित नही है। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुके हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगे और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगे। आप अस्थिर बुद्धि के पुरूष हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानांतरित करेंगे। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधे लम्बे आकृति के तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता हैं। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहते हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृति के अंहकार से युक्त पुरूष है। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होते हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि के प्राणी हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करते हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखते हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाते हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेते हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरूद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकते हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकते हैं। यदि आपमें कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर के नेता हो सकते हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्तरोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकता है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।